हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

11 एलुमनी मीट पूर्व और वर्तमान छात्रों के बीच ...

12 320 महिलाओं और पुरुषों का स्वास्थ्य जांचा...

विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर करवाया निर्माण कार्यों का शुभारंभ

नप ने दी शहर को 80 लाख के विकास कार्यों की सौगात

विद्यानगर में चार गलियां होंगी पक्की
बाबा नगर और ढाणी कृपाराम में पार्क का जीर्णोद्धार भी होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नगरपरिषद की तरफ से विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने 80 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने वहां पर उपस्थिति सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया।

रविवार को उक्त राशि से विद्यानगर की चार गलियों का निर्माण कार्य मुक्कमल होगा। गलियों के निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विद्यानगर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। रविवार को जिन गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। उनमें सैनिक हाई स्कूल के पास सुनील सांगवान वाली गली, किसान भवन से लेकर मिनी बाईपास तक की गली, शेरसिंह पुनिया वाली गली तथा पवन परमार वाली गली का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है।

वहीं बाबा नगर व ढाणी कृपाराम में पार्क का जीर्णोद्धार का कार्य होगा। इन दोनों पार्कों के जीर्णोद्धार के बाद लोगों को सुबह व शाम के वक्त टहलने के लिए जगह मिल जाएगी। साथ ही दिन में कोई व्यक्ति पार्क में लगे पेड़ों की छाव में आराम कर सकेगा। शहर में इन कार्यों के बाद स्वच्छता को पंख लग जाएंगे। इस मौके पर उप चेयरपर्सन प्रतिनिधि संदीप सिंह, पार्षद सुक्रमपाल, रामफल रोहिल्ला , पवन परमार, मुकेश खन्ना, प्रेम यादव के अलावा अनेक लोग मौजूद थे।

भिवानी। नारियल फोड़कर निर्माण कार्य शुरू करवाते विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह और पूजा करवाकर निर्माण कार्य शुरू करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

पार्कों के जीर्णोद्धार से लगेंगे स्वच्छता को पंख:भवानी

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज विधायक घनश्याम सर्राफ व उन्होंने विद्यानगर की चार गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया है। इसके बाद बाबा नगर तथा कृपाराम की ढाणी रोहतक गेट स्थित दो पार्कों के जीर्णोद्धार तथा शोचालय का कार्य शुरू करवाया है जिसकी काफ़ी लंबे समय से जरूरत थी आसपास सार्वजनिक शोचालय नहीं होने से बाजार में आने वाले लोगो को खासकर महिलाओं को काफ़ी परेशानी होती थी । गलियों व पार्कों के जीर्णोद्धार रोहतक गेट पर शोचालय बनने के बाद शहर की स्वच्छता को पंख लग जाएंगे। साथ ही शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं बचेगी। उन्होंने बताया कि अभी तक करीब ढाई सौ गलियों का निर्माण करवाया जा चुका है,बाकी करीब दो सौ गलियों का निर्माण कार्य जारी है। उसके बाद शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। स्वच्छता को पंख लग जाएंगे।

विकास कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं : घनश्याम सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि भिवानी ही नहीं पूरे प्रदेश के विकास के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते जनता सार्वजनिक कार्य लेकर आए। उनको तत्काल पूरा करवाया जाएगा। खासकर सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी जिले के साथ विशेष लगाव है। वे भिवानी की जनता के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवा रहे है। पूरे प्रदेश में विकास कार्यों की गंगा बह रही है।

भिवानी। यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली अंशिका को सम्मानित करते नप चेयरमैन। फोटो : हरिभूमि

यूपीएससी : 4 युवाओं ने लहराया परचम, नप चेयरमैन ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में जिला दादरी के चार युवाओं ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। दो लड़कों और दो लड़कियों की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नगर परिषद चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने सफल अभ्यर्थियों को स्वयं मिलकर और फोन के माध्यम से बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नप चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने बताया कि चंदेनी की बेटी अंशिका सांगवान ने यूपीएससी परीक्षा में 330 वां रैंक हासिल कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। वहीं दादरी निवासी यशवंत सांगवान ने 391वां रैंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया है। इधर गांव हंसावास कलां की बेटी सुनीता ने 958वां रैंक हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है, जबकि अचीना के होनहार दीपक शर्मा ने 951 वां रैंक प्राप्त कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नप चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने कहा कि इन युवाओं की सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का इस तरह राष्ट्रीय स्तर की कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों के माता-पिता और परिवारजनों को भी बधाई दी और कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे परिवार का सहयोग, मार्गदर्शन और अच्छे संस्कार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चेयरमैन ने उम्मीद जताई कि ये युवा भविष्य में प्रशासनिक सेवा में रहकर देश और समाज की सेवा करेंगे तथा अपने जिले और प्रदेश का नाम और ऊंचा करेंगे।

इन्होंने बढ़ाया मान

- गांव चंदेनी की बेटी अंशिका सांगवान को 330 वीं रैंक मिली
- दादरी निवासी यशवंत सांगवान ने 391वीं रैंक मिली
- गांव हंसावास कलां की बेटी सुनीता ने 958वां रैंक हासिल की
- गांव अचीना के होनहार दीपक शर्मा ने 951वीं रैंक मिली

खबर संक्षेप

बहल के तीन गांवों दस को होगा हिंदू सम्मलेन

बहल। हिन्दू समाज में जनजागरण व सामाजिक समरसता के प्रसार के लिए हिंदू परिवारों के सहयोग से बहल कस्बे की कृष्ण वाटिका में 10 मार्च को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में बहल क्षेत्र के गांवों में विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा सम्मेलन की कामयाबी के लिए प्रचार किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सुशील केडिया, पवन गोस्वामी व राहुल शर्मा ने बताया कि बहल क्षेत्र के गांव मंढोली कलां, चैहड़ कलां व पातवान में हिंदू सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद 10 मार्च को बहल की कृष्ण वाटिका में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन से पहले सांय चार बजे कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में क्षेत्र से बढ़ी संख्या में लोग भाग लेंगे। सम्मलेन में जलपान प्रबंधन भी किया गया है।

दादी मसानी द्वारका धाम पर मेला 11 को

बाढ़ड़ा। गांव द्वारका के दादी मसानी शीतला धाम पर 11मार्च को मेले, कुश्ती दंगल, भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मंदिर प्रबंधन कमेटी अध्यक्ष कप्तान भीमसिंह द्वारका ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष लगने वाले वार्षिकोत्सव मेले में हजारों भक्तजन भागीदारी करेंगे तथा इस पावन पर्व पर आयोजित होने वाले कुश्ती दंगल के अलावा वृद्धों की दौड़ का भी आयोजन किया जाएगा।

आनंद डालावास एसो. के दूसरी बार अध्यक्ष बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

पिग्री एसोसिएशन उत्पादक किसानों की जिला स्तरीय बैठक में मौजूदा समय में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई तथा नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि आनंद फौजी डालावास को अध्यक्ष चुना गया।

हरियाणा पिग्री एसो.प्रदेश सचिव सत्यवान व संदीप सिसाना के पर्यवेक्षक के तौर पर आयोजित बैठक में चरखी दादरी जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मित से दूसरी बार पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि आनंद फौजी डालावास को अध्यक्ष, सोनू कमोद को उपाध्यक्ष, अनिल बाढड़ा को उपाध्यक्ष, सत्येंद्र गोपी को कोषाध्यक्ष, चांद सिंह लाडावास को सचिव चुना गया। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने जल्द ही राज्य स्तरीय बैठक आयोजित कर लंबित मांगों को लेकर आगामी रणनीति तैयार करने का फैसला लिया तथा नई जि मेवारी मिलने पर सभी पिग्री उत्पादक किसानों का आभार प्रकट किया गया। उनके अलावा हवलदार सत्यवान,संदीप सिसाना, सितेंद्र,चांद,सोनू कमोद, विजय भाया, ठेकेदार बलिया, मनीर, अनिल कुमार, प्रदीप, सचिन कुमार, पवन,काले लाडावास, डॉ विकास हंसावास आदि मौजूद रहे।

किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म के मामले में दूसरे आरोपी को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

पुलिस ने 17 वर्षीय किशोरी को अगवा कर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के मामले में दूसरे आरोपी हाइवा डंपर चालक प्रीतम निवासी पथरवा को गिर तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है तथा मामले में सामूहिक दुष्कर्म की धारा और जोड़ दी है।

गौरतलब होगा कि कुछ दिन पूर्व जिले के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी का युवक ने घर के सामने से अपहरण कर लिया था और नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म कर किया। पीड़िता की मां ने कहा था कि शनिवार रात उसकी बेटी खाना खाकर अपने कमरे में सोने चली गई थी। रात को युवक ने उसके पास फोन कर उसे बाहर बुलाया। वह बाहर गई तो उक्त युवक उसका अपहरण कर ट्रैक्टर पर बैठाकर महेंद्रगढ़ जिले के सतनाली नजदीक खेतों ले जाकर पहले जलजीरा में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। इसके बाद नशा होने पर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। नशे की हालत में उसकी बेटी खुद चलकर अपने घर रविवार सुबह साढ़े नौ बजे पहुंची है। घर जाते हुए पीड़िता को आरोपी ने जहर की पुड़िया भी दे रखी थी, कहा कि अगर जी घबराए तो यह पुड़िया खा लेना। पीड़िता ने यह पुड़िया खाई तो जहर उसके शरीर में फेल गया। परिजनों ने तुरंत चरखीदादरी सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया था। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि मामले में दूसरे आरोपी पथरवा निवासी प्रीतम को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है तथा बाढड़ा मामले की जांच की जा रही है।

■ आरोपी ने दुष्कर्म करने के बाद पीड़िता को जहर की पुड़िया भी दी

बीडीपीओ कार्यालय बवानीखेड़ा में दयालु योजना का विशेष शिविर आज

भिवानी। दयालु योजना द्वितीय का लाभ प्रदान करने के लिए डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पीड़ित लोगों के दस्तावेज पूरे करवाए जा रहे हैं, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके। सहायक जिला सांख्यिकी अधिकारी रणवीर ने बताया कि 9 मार्च को बीडीपीओ कार्यालय बवानी खेड़ा में, 10 मार्च को बीडीपीओ कार्यालय सिवानी व 11 मार्च को बीडीपीओ कार्यालय तोशाम में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

आवेदकों से आवेदन की कमियां पूरी करवाई जाएंगी

इस शिविरों में आवेदकों द्वारा आवेदन करने के दौरान जो कमियां रही हैं, उनका पूरा करवाया जाएगा। योजना से सम्बंधित दस्तावेज जैसे मेडिकल सर्टिफिकेट या इलाज के दस्तावेज का सत्यापन, मृतु प्रमाण पत्र, स्थायी विकलांगता प्रमाण पत्र, एफआईआर या डीडीआर आदि को मोके पर ही सत्यापित करवाकर ऑनलाइन पोर्टल भर अपलोड किया जाएगा।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध: विधायक सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जन औषधि दिवस के उपलक्ष्य में जन औषधि विभाग द्वारा कृष्णा कॉलोनी स्थित आर्य सदन में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने शिरकत की तथा अध्यक्षता सीनियर ड्रग ऑफिसर रमन श्योराण और जन औषधि के नोडल अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने की।

विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने पुराना बस स्टैण्ड व मिनी बाईपास स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालक लोकेश सांवड़ व प्रियंका को उनके विशेष योगदान व रिकार्ड बिक्री के साथ-साथ पांच वर्ष से बेहतरीन सेवाएं प्रदान करने पर सम्मानित किया।

भिवानी। जन औषधि केंद्र संचालक को सम्मानित करते विधायक घनश्यामदास सर्राफ व अन्य।

विधायक सर्राफ ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना गरीब और मध्यम वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि सस्ती भी, अच्छी भी के मंत्र के साथ सरकार हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण दवाएं पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीनियर ड्रग ऑफिसर रमन श्योराण और नोडल अधिकारी ओम प्रकाश वर्मा ने जन औषधि केंद्रों की कार्यप्रणाली और दवाओं की गुणवत्ता मानकों के बारे में जानकारी दी। केमिस्ट एसो.के पदाधिकारियों ने भी जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के सरकार के मिशन में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने अतिथियों व संचालकों का आभार जताया।

सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंका तो लगेगा 50 हजार रुपये जुर्माना: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि जिले में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा फेंकने और अवैध रूप से डंपिंग करने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि ये निर्देश राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों के अनुपालन में जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोई व्यक्ति या संस्था अनधिकृत स्थान पर कचरा डालते पाई जाती है तो उस पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में पहली बार 5 हजार रुपये तथा दोबारा उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं बल्क वेस्ट (बड़ी मात्रा में कचरा) फेंकने के मामलों में पहली बार 25 हजार रुपये और दोबारा उल्लंघन पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

■ बल्क वेस्ट (बड़ी मात्रा में कचरा) फेंकने के मामलों में पहली बार 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगेगा

उन्होंने बताया कि नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका के अधिकारी तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए अधिकृत होंगे। वसूली गई पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि का उपयोग ठोस कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में किया जाएगा। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि कचरे को निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

सत्संग से मिट जाते हैं शारीरिक, मानसिक और आत्मिक कष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आज इंसान का तन-मन और रूह तीनों दिन दुनिया के दुखों से घिरे हुए हैं और इन दुखों के कारण ही समाज विकृत होता जा रहा है। समाज की दशा और दिशा सुधारने के लिए आवश्यक है कि इन तीनों दुखों से निजात पाई जाए। इसका एकमात्र उपाय सत्संग है क्योंकि सत्संग से इंसान के शारीरिक मानसिक और आत्मिक तीनों कष्ट मिट जाते हैं। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब जी महाराज ने जींद के भिवानी रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में संगत की विशाल हाजरी के समक्ष फरमाए। हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि बिना गुरु के किसी की गति नहीं हुई।

नारद का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि नुगरे का कोई मान नहीं होता। विष्णु की उपेक्षा का कारण बिना गुरु के जीवन की समझ आने पर नारद ने एक मछुवारे को अपना गुरु बना लिया लेकिन । नारद के मुख से लेकिन शब्द सुनते ही विष्णु भगवान क्रोधित हो गए और नारद को चौरासी लाख यौनि भोगने का श्राप दे दिया। नारद जी ने क्षमा मांगते हुए उनसे इसका उपाय

पूछा। विष्णु जी बोले कि उपाय तो तेरा गुरु ही बता सकता है।

नारद जी मछुवारे गुरु के पास गए और सारी बात बताई। मछुवारा मुस्कुराया और बोला कि एक कागज पर चौरासी लाख यौनि लिख लो और फिर उसपर लेट लगाओ तेरी चौरासी लाख यौनि कट जाएगी। नारद ने जब यह बात विष्णु को बतायी तो विष्णु बोले जिस गुरु पर आपने लेकिन लगा कर शंका जतायी थी उसी गुरु ने एक क्षण में आपकी चौरासी कटवा दी। हुजूर महाराज जी ने कहा कि गुरु पर शंका करोगे तो गिर जाओगे और गुरु पर विश्वास रखोगे तो तिर जाओगे।

प्रभु की भक्ति से उतरता है कर्म के कर्ज का भार

गुरु महाराज ने फरमाया कि कभी सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाये हमारा मूलमंत्र होता था। इंसान इंसान के काम आता था। कोई लाखो में एक ही है जो सुखी है वरना कोई तन से दुखी है कोई मन से तो कोई धन से। इनमे भी सबसे बड़ा दुख मन का है और ये दुख केवल संतों की संगत से ही मिट सकता है। उन्होंने कहा कि हर कर्म का अपना कर्ज होता है और इस कर्ज से मुक्त प्रभु की भक्ति है।

प्रीतानंद साहेब ने भक्तिभाव से जीवों का भला किया : साहेब

भिवानी। आनंद परमानंद सत्संग आश्रम धाम निगाणा में परम सतगुरु प्रीतानन्द साहेब की 20वीं पुण्यतिथि पर पंचमी का सत्संग एवं भण्डारा सतगुरु बाबू साहेब के सानिध्य में हुआ। यह सत्संग उनके अन्तिम समय में अपने मुखारथन से फरमाया था। उनका जीवन साधारण परिवार में हुआ और लग्न, मेहनत, संघर्ष व भक्ति भाव से अनेक जीवों का भला किया। उनकी संगत राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व देश-विदेश में लाभान्वित हो रही है। दयालु स्वभाव के हर जीव की पीड़ा समझने वाले इसी दिन इस संसार सागर को देह रूप से विदा कर गए थे। इस अवसर पर सेवादार सुधानन्द, प्रकाश आनन्द साहलेवाला, रोशन जूई, रघुबीर थिरपाली, सुधानन्द बीरण, सन्तलाल शंधेली, सुरेन्द्र रामपुरा, गायिका सुशीला सुरपुरा, संतोष भिवानी व रोशनी हिसार ने गुरु महिमा का गुणगान किया।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

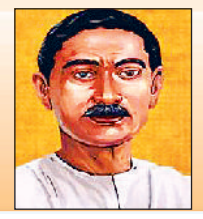

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

कहानी

वंदना यादव

मीडिल मैन

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

वैश्य महाविद्यालय में एलुमनी मीट यादें–2026 का आयोजन

एलुमनी मीट पूर्व और वर्तमान छात्रों के बीच संवाद का मजबूत सेतुः सर्राफ

■ पूर्व छात्रों ने ताजा की पुरानी यादें, अनुभव किए सांझा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। वैश्य महाविद्यालय में एलुमनी मीट यादें में डांस की प्रस्तुति देते पूर्व छात्र।

वैश्य महाविद्यालय में पूर्व छात्र संघ के तत्वावधान में एलुमनी मीट यादें–2026 का भव्य आयोजन महाविद्यालय प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम में देश-प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने छात्र जीवन की यादों को ताजा किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि लोहारू के विधायक राजवीर फरटिया उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्वमंत्री एवं भिवानी के विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने की।

इस अवसर पर वरिष्ठ आईपीएस राजेश दुग्गल एवं संपूर्ण की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में गुड़गांव से समाजसेवी सुरेंद्र सिंह, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट से ट्रस्टी विजय किशन अग्रवाल एवं बृजलाल सर्राफ, प्राचार्य संजय गोयल, सेल्फ फाइनेंस विभाग की निर्देशिका डॉ. प्रोमिला सुहाग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय गौरव के रूप में अर्जुन अवार्ड असन सांगवान अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज राजकुमार, न्यायाधीश पवन तंवर, न्यायाधीश संजय शर्मा, डीएसपी मनोज वर्मा, डीएसपी दिनेश कुमार, एसीपी मुकेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, कमल सिंह प्रधान, बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट संदीप हालुवास, पूर्व प्रधान सत्यजीत पिलानिया, सचिव विनोद शर्मा, नीटू लाखोटिया, अरुण तंवर गुरुग्राम व कौशल भारद्वाज सहित 500 से अधिक पूर्व छात्र शामिल हुए। समारोह में मंच संचालन डॉ. हरिकेश पंघाल ने किया। समारोह के अतिथियों ने शहीद पूर्व छात्र का स्मारक स्थल बनाने एवं वैश्य महाविद्यालय की एलुमनी एसोसिएशन के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यतिथि विधायक राजवीर फरटिया ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने की दिशा देता है। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि एलुमनी मीट जैसे आयोजन पूर्व छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच संवाद का मजबूत सेतु बनते हैं, जिससे विद्यार्थियों को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है तथा संस्थान के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होता है। आईपीएस अधिकारी राजेश दुग्गल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है।

शिक्षा के साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियां समझे विद्यार्थीः प्राचार्य

प्राचार्य संजय गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। समाजसेवी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने पूर्व छात्रों से महाविद्यालय और समाज के विकास में सहयोग देने का आह्वान किया। नीटू लखोटिया, इंस्पेक्टर विजय कुमार, पीयूष शर्मा, किरण रानी, बबलू भटनागर, नवीन कुमार, कौशल भारद्वाज व अमित काके ने संगीत, समूह गीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और पूर्व छात्रों का मनमोह लिया। छात्र संघ के पूर्व प्रधान डॉ. अनिल तंवर पिंकी ने अतिथियों, पूर्व छात्रों और सहयोगियों का आभार जताया।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में 'इंटीग्रेटेड अचीव' एवं पेरेंट्स ओरिनेशन प्रोग्राम आयोजित

विद्यार्थियों के लिए सही दिशा और मार्गदर्शन आवश्यक

बवानीखेड़ा। मिल्कपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में रविवार को "छात्र पुनर्जीवन एवं पेरेंट्स ओरिनेशन प्रोग्राम का भव्य आयोजन में उपस्थितजन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

मिलकपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में रविवार को "छात्र पुनर्जीवन एवं पेरेंट्स ओरिनेशन प्रोग्राम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में इंटिग्रेटिड अचीव के अंतर्गत जेईई, नीट, सीएलएटी और सीए फाउंडेशन प्रोग्राम का भी औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में कक्षा आठवीं, नौवी, दसवीं और ग्यारहवीं के विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मास्टर ट्रेनर सीबीएसई रिसोर्स पर्सन राजन शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भूगोल के प्रोफेसर डॉ. राजकुमार, विद्यालय के चेयरमैन आनंद यादव, ग्राम विकास मंडल प्रधान राजेश यादव, निदेशक साहिल यादव, प्रिंसिपल नितीश मिश्र आदि मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाले सत्र "छात्र पुनर्जीवन" से हुई, जिसमें प्रेरणा, एक्सेल और लक्ष्य निर्धारण जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही सकारात्मक सोच और अनुशासन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

शैक्षणिक योजना एवं परामर्श के बारे में दी जानकारी

इसके बाद आयोजित पेरेंट्स ओरिनेशन प्रोग्राम में विषयों एवं विभिन्न शैक्षणिक धाराओं का परिचय, कैरियर पथ मार्गदर्शन, शैक्षणिक योजना एवं परामर्श के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने अभिभावकों को बताया कि किस प्रकार सही मार्गदर्शन और समय पर योजना से बच्चे अपने कैरियर के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य अतिथि और अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के लिए सही दिशा और समर्पित मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। इंटिग्रेटिड अचीव प्रोग्राम विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को स्पष्टता, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की दिशा प्रदान करना है।

कादियान ने बाढ़ मुआवजे पर भाजपा सरकार को घेरा

■ बाढ़ पीड़ित किसानों को अपने खातों में नहीं, सरकार के प्रचार में मिला पैसा : अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

कांग्रेस नेता अशोक कादियान।

वर्ष 2025 में आई विनाशकारी बाढ़ ने हरियाणा के किसानों की कमर तोड़ दी थी, लेकिन त्रासदी के महीनों बाद भी मुआवजे की राशि किसानों के बैंक खातों तक नहीं पहुंची है। इस मुद्दे को लेकर अब राजनीति गरमा गई है। हरियाणा कांग्रेस सेवादल के पूर्व कार्यकारी प्रधान अशोक कादियान ने सरकार के दावों को पूरी तरह से खोखला बताते हुए भाजपा सरकार पर किसानों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। कादियान ने कड़े बयान में कहा कि सरकार विज्ञापनों और बयानों में यह ढिंढोरा पीट रही है कि प्रभावित किसानों को मुआवजा भेज दिया है, लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके ठीक उलट है। सरकार पोर्टल-पोर्टल का खेल खेलकर किसानों को गुमराह कर रही है। हकीकत ये है कि आज भी प्रदेश का अन्नदाता बैंकों के चक्कर काट रहा है, लेकिन उनके खातों में फूटी कौड़ी भी नहीं आई है। 2025 की बाढ़ में फसलें बर्बाद होने के बाद किसानों के पास अगली फसल की बुआई के लिए भी संसाधन नहीं बचे हैं। कादियान ने भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार किसान विरोधी चेहरा उजागर कर चुकी है।

चार माह से जमा अस्पताल में बारिश का पानी

सीवरेज का गंदा पानी निकालने में असफल रहा प्रशासन

■ दूसरों के स्वास्थ्य को ठीक करने वाला अस्पताल भवन स्वयं हुआ अस्वस्थ

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। अस्पताल परिसर में जमा बारिश के पानी का दृश्य।

बवानीखेड़ा नागरिक अस्पताल में पिछले लगभग चार माह से जमा बारिश व सीवरेज के गंदे पानी जमा होने से बदहाली के आंसू बहाने को मजबूर दिखाई दे रहा है। जिसके कारण मरीज भी अपना इलाज करवाने के लिए जाने से पहले कई बार सोचने को मजबूर दिखाई देते हैं।

शहरवासियों ने कहा कि प्रशासन बारिश व सीवरेज के गंदे पानी को निकालने के लिए पूरी तरह से असफल दिखाई दे रहा है। वहीं एमओ डॉ. नीरज शर्मा ने बताया कि इसकी जानकारी एसएमओ बता पाएंगे, वहीं एसएमओ से संपर्क नहीं हो सका। पानी न निकलने से नष्ट हो गए सैंकड़ों पौधे तो जल गए अनेक वृक्ष मानसून सीजन में मुसलाधार बारिश के कारण एक तरफ जहां पूरा शहर पानी से घिरा हुआ था वहीं नागरिक अस्पताल मुख्य मार्ग से नीचा होने के कारण बारिश व सीवरेज का पानी इसमें जमा हो गया। बताया जाता है कि दो विभागों ने इस पानी को निकालने के लिए दावे तो किए लेकिन फलीभूत नहीं हो पाए।

एक विभाग द्वारा अपना जनरेटर मुहैया भी करवाया लेकिन पानी को कम करने में सफल नहीं हो पाए जिसके कारण पानी टस से मस तक नहीं हुआ। पानी न निकलने के कारण अस्पताल भवन के पीछे हरे पौधे नष्ट हो गए तो अनेक वृक्ष भी पानी की अधिकता के कारण जल गए। बताया जाता है कि अस्पताल के साथ लगती बस्ती के लोगों के घरों को भी इससे काफी नुकसान हुआ।

संबंधित विभाग ले सुध

नागरिक अस्पताल में जमा पानी की निकासी को लेकर शहरवासियों में सोमबीर, रेणू, सुरेश, महेन्द्र, धर्मपाल, हरिसिंह, गोपाल आदि ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को संबंधित विभाग से पत्राचार माध्यम या समाजसेवियों की सहायता से इस पानी की निकासी करवानी चाहिए क्योंकि इसकी बदबू से मरीजों व आसपास की बस्ती को लोगों का रहना दुभर हो गया है इसके अलावा बीमारियों के फैलने का भय बना हुआ है।

नए भवन के हालात भी हुए खराब

अत्याधिक बारिश व पानी निकालने की असफलता के कारण अस्पताल की लाल बिल्डिंग कही जाने वाले भवन की स्थिति भी खराब हो गई। चारों तरफ पानी के जमा होने के कारण स्टाफ व मरीजों ने इस तरफ रूख करना बंद कर दिया था लेकिन ज्यों ज्यों प्रकृति के कारण जमा पानी सूखने लगा है उसी प्रकार स्टाफ व मरीजों को इस भवन मे आवागमन शुरू हुआ है लेकिन इन भवनों के पीछे अब भी गहरा पानी जमा है जिसके कारण कोई बड़ा हादसा होने का भय बना रहता है।

महिलाओं को योजनाओं के प्रति किया जागरूक

■ खरककलां के आंगनवाड़ी केंद्र में बेस्ट मदर प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य और अतिरिक्त उपायुक्त के दिशा-निर्देशानुसार गांव खरक कलां के आंगनवाड़ी केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बेस्ट मदर प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता सुपरवाइजर अनिता और सीडीपीओ की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर माताओं को उनके स्वास्थ्य, बच्चों के पालन-पोषण और शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता के साथ-साथ उपस्थित महिलाओं को सामाजिक और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बेटियों की शिक्षा और समाज में उनके समान अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। भारत सरकार और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई ताकि ग्रामीण महिलाएं इनका लाभ उठा सकें।

इस दौरान केंद्र के माध्यम से मिलने वाली पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में खरक कलां की सभी आंगनवाड़ी वर्कर के अलावा सरसा व फूलपुरा की आंगनवाड़ी वर्कर विशेष रूप से शामिल हुईं। महिलाओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सुपरवाइजर अनिता ने कहा कि प्रतियोगिताओं का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ना है।

भिवानी। हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा व परमार खाप 84 की बैठक में मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

कर्नल जगदीश बने सम्राट विक्रमादित्य क्षत्रिय धाम निर्माण कमेटी के अध्यक्ष

भिवानी। रविवार को हुनामल प्याऊ धर्मशाला में हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा जिला भिवानी व परमार खाप 84 हरियाणा की संयुक्त बैठक राजेन्द्र सिंह तंवर बापोड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 28 फरवरी-के प्रस्ताव अनुसार सम्राट विक्रमादित्य चौक भिवानी व आस-पास के क्षेत्र को सम्राट विक्रमादित्य क्षत्रिय धाम के नाम से जाना जाएगा। सम्राट विक्रमादित्य क्षत्रिय धाम के पास ही दिल्ली पति अनंगपाल तोमर मंगल भवन बनाया जाएगा। सभा के प्रवक्ता वेदपाल सिंह परमार ने बताया कि आने वाले विक्रम संवत 2083 नव वर्ष 19 मार्च सायं 5 बजे यज्ञ, हवन कर मनाया जायेगा। सम्राट विक्रमादित्य क्षत्रिय धाम भिवानी का विकास हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी के अधीन होगा।

रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी पर सीपीआई(एम) का विरोध

बाढड़ा। रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को लेकर भारत की क युनिस्ट पार्टी (मा1र्सवादी) ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की है। पार्टी के जिला कमेटी सदस्य सुमेर सिंह और रोशन लाल ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये तथा कमर्शियल एलपीजी (19 किलो) सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की है, जो 7 मार्च से लागू हो गई है। इसके बाद दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत सवा नौ सौ रुपये तक पहुंच गई है । सुमेर सिंह ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए रसोई चलाना मुश्किल हो गया है। भाजपा ने चुनाव के समय महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 4 सौ रुपये से बढ़कर 9 सौ से एक हजार रुपये तक पहुंच गई है। पार्टी नेता कॉमरेड कपूर सिंह ने आरोप लगाया कि गरीबों को राहत देने के बजाय हरियाणा सरकार ने करीब 14 लाख परिवारों को बीपीएल सूची से बाहर कर दिया है।

14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत : एसडीजेएम

तोशाम। एसडीजेएम सुनील कुमार ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन कम जिला सत्र न्यायाधीश डी आर चालिया व सचिव कम मुख्य न्यायिक दंडा अधिकारी पवन कुमार के दिशा निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत स्थानीय न्यायिक परिसर में 14 मार्च को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में हालसा के मेंबर सेक्रेटरी और जिला सत्र न्यायाधीश कम डीएलएसए भिवानी के चेयरमैन के निर्देशानुसार 14 मार्च को होने वाली नेशनल लोक अदालत में लोगों की आपसी सहमति से ज़्यादा से ज़्यादा मामलों के निपटारे किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की मुख्य विशेषताएं हैं कि यह स्वैच्छिक प्रक्रिया पर आधारित है, जिसमें विवाद का निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी और अंतिम होता है, कोई अपील की अनुमति नहीं होती, और यह निःशुल्क होती है। यह जन-केंद्रित और अनौपचारिक होती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुलभ है, और यह मुकदमो में पूर्व तथा लंबित दोनों प्रकार के मामलों का निपटारा करती है। यह स्वैच्छिक कानूनी प्रक्रिया है। दोनों पक्ष विवाद का निपटारा लोक अदालत के माध्यम से करने के लिए स्वेच्छा से सहमत होते हैं। इसमें बाध्यकारी निर्णय होते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत का निर्णय अंतिम होता है और इसे न्यायालय के आदेश की तरह लागू किया जा सकता है। इसके निर्णय पर किसी भी अदालत में अपील नहीं होती।

सफीदों हादसा सरकार और प्रबंधन की लापरवाही : कामरेड

भिवानी। सफीदों की गीता कॉलोनी में एक पटाखा व रंग-रोगन फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में चार महिला मजदूरों की दर्दनाक मौत और 19 अन्य के गंभीर रूप से झुलसने की घटना पर एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने गहरा रोष प्रकट किया है। उन्होंने घटना को हादसा नहीं बल्कि सरकारी और प्रबंधन की लापरवाही से की गई हत्या करार दिया है। कामरेड बासिया ने घटनास्थल की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा कि सबसे शर्मनाक और अमानवीय पहलू यह रहा कि फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर बाहर से ताला लगा हुआ था। 5 पुरुष और 18 महिला मजदूर अंदर आग की लपटों के बीच कैद हो गए। कामरेड बासिया ने सवाल उठाया कि किस कानून के तहत मजदूरों को अंदर बंद करके काम कराया जा रहा था, ये सीधे तौर पर बंधुआ मजदूरी और सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक के बाद एक हो रहे औद्योगिक हादसे इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है।

7वें वेतन आयोग में लिपिक 35400 का हकदार: संदीप

भिवानी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, नगर-निगमों, विश्वविद्यालयों में कार्यरत कर्मियों का सांझा संगठन हरियाणा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष हितेंद्र सिहाग, महासचिव जगमिंद्र सिंह व प्रवक्ता संदीप सांगवान ने सांझा ब्यान जारी कर बताया कि भाजपा सरकार का गीता के समान संकल्प पत्र, 2014 का चुनावी घोषणा पत्र, 25 अगस्त 2014 के मंत्रीमंडल के निर्णय अनुसार 7वें वेतन आयोग में लिपिक 35400, एसडीसी 39900, सहायक, आंकड़ा सहायक, एडब्ल्यूबीएन, स्टेनोग्राफर 44900, उपाधीक्षक 47600, अधीक्षक 56100 का हकदार बनता है, जिसे लगातार 12 वर्ष से वंचित किया गया है, जबकि विधायक मंत्रीयो के वेतन भत्तों में भारी भरकम बढ़ोतरी की गई है। सांगवान ने बताया कि वर्ष 1957 में हुए 15वें श्रम सम्मेलन के बाद डॉक्टर अक्रोयड़ द्वारा सुझाए फार्मूले 2700 कैलोरी खुराक के आधार पर माता पिता, पति-पत्नी 2 बच्चे यानि पांच इकाई मानकर वेतन देने का सुझाव दिया था। राज्य में इस समय न्यूनतम 16900 और अधिकतम 182200 रुपये इनका अनुपात 1:14 है।

कर्मवीर बौद्ध को राज्य सभा के लिए उम्मीदवार बनाने पर बांटी मिठाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम। राज्यसभा सांसद पद के लिए जीत की कामना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा में राज्यसभा सांसद के लिए चुने गए कर्मवीर बौद्ध की खुशी में रविवार को सुशील तोशाम के नेतृत्व में तोशाम में मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस दौरान तोशाम के भगवान वाल्मीकि मंदिर में एकत्रित होकर वाल्मीकि समाज के विभिन्न लोगों ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध की जीत के लिए प्रार्थना की।

इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सुशील तोशाम ने कहा कि कर्मवीर बौद्ध बहुत ही मिलनसार, कर्मठ, ईमानदार एवं मेहनती नेता हैं। कांग्रेस पार्टी ने जो राज्यसभा सांसद के लिए उनके नाम का चयन किया है, उसके लिए कांग्रेस हाईकमान सहित समस्त कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त करते हैं। क्योंकि कर्मवीर बौद्ध बहुत ही कर्मठ एवं अनुभवी नेता हैं उनके अनुभव का कांग्रेस पार्टी को अवश्य ही लाभ मिलेगा और कांग्रेस पार्टी हरियाणा में और भी अधिक मजबूती के साथ उभरेगी। इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने भगवान वाल्मीकि से कर्मवीर बौद्ध की जीत की कामना की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एडवोकेट विकास मोहल, नवीन नफरिया, दीपक सरवटा, विकास पहिवाल, बलजीत, संदीप, वेदप्रकाश, रमेश, पंकज, शौकी, महेंद्र, सतीश, सूरज आदि मौजूद थे।

सुविधा पाइप लाइन बिछाने का कार्य 10 दिन में होगा पूराः सैनी

पेयजल आपूर्ति सुधारने को इंदिरा कैनाल से चंपापुरी जलघर तक बिछ रही पाइप लाइन : बख्शीराम सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखीदादरी

चरखी दादरी। पाइप लाइन कार्य का निरीक्षण करते नप चेयरमैन बक्शीराम सैनी।

शहर में पेयजल आपूर्ति को मजबूत बनाने के लिए नगर परिषद द्वारा इंदिरा कैनाल से चंपापुरी जलघर तक पाइप लाइन बिछाई जा रही हैं। पाइप लाइन बिछाने के कार्य का रविवार को नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों व ठेकेदार को कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन ने पाइप लाइन बिछाने की प्रक्रिया, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता एवं कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि काम में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में शहरवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा मिल सके।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता

चेयरमैन सैनी ने कहा कि शहर के लोगों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर परिषद की प्राथमिकता है। इंदिरा कैनाल से चंपापुरी जलघर तक 800 एमएम की पाइप लाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है और आगामी 10 दिनों में इसे पूरा कर लिया जाएगा। इस कार्य के पूरा होने के बाद शहर के कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में सुधार होगा और लोगों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहर के विकास और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार वो स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर और उनका अनुभव पाकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि शहर के विकास के लिए कभी बजट की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। पानी, सफाई और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य करवाए। इस परियोजना के पूरा होने के बाद चंपापुरी जलघर में पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचेगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: गुरुग्राम के मेदांता व भिवानी के अंचल अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने लगाया कैंप

320 महिलाओं और पुरुषों का स्वास्थ्य जांचा,नि:शुल्क दवाई दीं

80 लोगों के अत्याधुनिक मशीन से एक्सरे,50 महिला व पुरुषों की ईसीजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को जाटू लोहारी के बाबा जगन्नाथ धाम मंदिर में महिला दिवस पर गुरुग्राम के मेदांता व भिवानी के अंचल अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने मेडिकल कैम्प लगाकर 320 महिला व पुरुषों की जांच की। सभी लोगों का एचबी, ब्लैड शुगर व बीपी जांचा गया। 100 रोगियों के बीएमडी व पीएफटी की जांच की गई। शिविर में 80 लोगों के अत्याधुनिक मशीन से एक्सरे,50 महिला व पुरुषों की ईसीजी की गई। ये सभी जांच नःशुल्क की गई। सभी की जांच पड़ताल के बाद मेदांता व अंचल अस्पताल से पहुंचे चिकित्सकों ने शिविर में आए लोगों का इलाज व निःशुल्क दवाई वितरित की। कैम्प में डॉ. विनोद अंचल (डायरेक्टर, अंचल अस्पताल), डॉ. कृष्ण कुमार (एमएस सर्जरी, सीनियर सर्जन), डॉ. लक्ष्य यादव (एमडी मेडिसिन, सीनियर कंसल्टेंट), डॉ. अक्षरा (एमबीबीएस, एमएस ओबीजी, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. जितेंद्र सैनी (एमबीबीएस, एमएस आर्थोपेडिक, जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन), डॉ. सोम्या श्रीवास्तव (एमबीबीएस, एमडी नियोनेटोलॉजिस्ट, नवजात व बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. अनिता अंचल (सीनियर स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. रजत (मेदांता हॉस्पिटल), और डॉ. प्रियांशु (मेदांता हॉस्पिटल) जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों, कनिष्ठ अभियंता बिर्जेश कुमार, सुरेश सैनी ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

एचपीवी का इंजेक्शन लगवाने की सलाह दी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इसी स्थान पर सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 20-25 यूनिट रक्त दाताओं ने अपना रक्तदान किया। ज्यादातर रोगी बीपी, ब्लड शुगर, हड्डियों से संबंधित समस्याओं, और खून की कमी से पीड़ित पाए गए। डॉ. अक्षरा ने महिलाओं को गर्भाशय कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक किया और किशोरियों को एचपीवी का इंजेक्शन लगाने की सलाह दी। अगर समय पर किशोरियों को एचपीवी का इंजेक्शन लगाया जाए, तो उनमें आगे जाकर गर्भाशय के कैंसर से बचाव हो सकता है।

भिवानी। मेडिकल कैम्प में महिलाओं की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

गर्भाशय के कैंसर के प्रति किया गया जागरूक

महिलाओं को गर्भाशय कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक किया गया और किशोरियों को एचपीवी का इंजेक्शन लगाने की सलाह दी गई। अगर समय पर किशोरियों को एच पीवी का इंजेक्शन लगाया जाए, तो उनमें आगे जाकर गर्भाशय के कैंसर से बचाव हो सकता है। इस अवसर पर डॉ. अक्षरा (एमबीबीएस, एमएस ओबीजी, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ) ने महिलाओं को गर्भाशय कैंसर के बारे में जानकारी दी और किशोरियों को एचपीवी का इंजेक्शन लगाने की सलाह दी। बाद में बाबा जगन्नाथ मंदिर के महंत प्रदीप गिरी ने व ग्राम पंचायत की तरफ से मेडिकल व रक्तदान शिविर में पहुंचने वाले सभी चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जेसीआई ने महिला अचीवर्स अवार्ड के साथ मनाया

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जेसीआई भिवानी ने रविवार को महिला अचीवर्स अवार्ड समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के माध्यम से उन महिलाओं को मंच प्रदान किया, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से समाज में मिसाल कायम की है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स जेसी सविता सिंगला, जेसी मंजू बंसल और जेसी श्वेता बंसल की देखरेख में सफल आयोजन सुनिश्चित किया। संस्था के अध्यक्ष जेसी अमित गुप्ता ने सम्मानित होने वाली महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज की महिला न केवल घर संभाल रही है, बल्कि पेशेवर दुनिया में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़ रही है। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष जेसी विवेक गर्ग, जेसीआरटी चेयरपर्सन जेसीआरटी मीनाक्षी तायल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान गोल्डी जैन, मीनाक्षी तायल, शालिनी गुप्ता, निशा अग्रवाल, जानवी बंसल, ममता तायल, सारिका अग्रवाल, किरण सिंगल, ज्योति जावा, सुमन मित्तल, अनुपमा, दीप्ति सिंगल व आस्था स्पेशल स्कूल की प्राचार्या एडवोकेट सुमन शर्मा को सम्मानित किया।

जिले की 35 महिलाओं को किया सम्मानित

भिवानी। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पेयजल संरक्षण सहित जल जीवन मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 35 महिलाओं को आजीविका मिशन कार्यालय के मीटिंग हॉल में कार्यक्रम में प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार अशोक भाटी ने कहा कि महिलाओं का समाज में अहम योगदान है। महिलाओं के समाज में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान, उनके संघर्ष व उनके सामने आने वाली चुनौतियों को याद दिलाने के लिए आठ मार्च का दिन विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। विश्व महिला दिवस की शुरुआत अमेरिका व यूरोप में महिला श्रमिक के आंदोलनों से हुई थी।

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

48 महिलाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में नई मिसाल पेश की। इस विशेष रक्तदान शिविर में केवल महिलाओं ने ही रक्तदान कर समाज को सेवा और समर्पण का संदेश दिया। सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य की देखरेख में आयोजित शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समाजसेवा के अग्रणी कार्यों से जोड़ना था। इस दौरान कुल 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. हर्ष व शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि शिविर पूर्णतः महिला रक्तदाताओं को समर्पित किया गया। शिविर में बतौर मुख्यतिथि उप सिविल सर्जन डॉ. सुमन विश्वकर्मा मौजूद रही। महिलाओं के जोश को देखते हुए उन्होंने कहा कि आज की नारी केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, वह जीवनदायिनी है और आज रक्तदान कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वे दूसरों को जीवन देने में भी सबसे आगे हैं। इस अवसर पर रेडक्रॉस के जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार, सहायक जोगिंद्र सहरावत, डॉ. कल्पना, नर्सिंग अधिकारी सुभाष, लैब टेक्निशियन कृष्णा, सुमन, शर्मिला, गुंजन, सुरेंद्र गांधी व रवि नवीन आदि उपस्थित रहे।

स्काउट्स एंड गाइड्स ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

भिवानी। हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के भिवानी स्थित जिला मुख्यालय में चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह में समाज की 11 कर्मठ महिलाओं को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय वमावि तिगड़ाना के प्राचार्य सज्जन सिंह की मुख्यतिथ्य में हुआ। इस दौरान हिमांशु भाटी ने प्रशिक्षण केंद्र में तैयार किए विभिन्न उपकरणों और मॉडल्स की जानकारी सांझा की। कार्यक्रम में 32 रोवर-रेंजर उपस्थित रहे, जिनमें ध्रुव, जोगिंद्र, हर्षिता, विनय, माहिर, मयंक, पार्थ और विवेक संभ्वाल प्रमुख थे। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं का स्वागत और सम्मान किया।

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति और विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष बिमला घणघस रही।

इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ से सुशीला देवी, रिटायर कर्मचारी संघ से शकुंतला, सीटू से अनिल कुमार, ज्ञान-विज्ञान समिति से नंदकिशोर सोलंकी तथा अखिल भारतीय किसान सभा से सुनीता कुंगड़ मौजूद रही। इस मौके पर बिमला घणघस ने कहा कि समाज और राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी पर जोर देते हुए स्पष्ट किया कि महिलाओं के बिना सशक्त लोकतंत्र की कल्पना करना असंभव है। कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव मास्टर वजीर सिंह ने कहा कि 8 मार्च का दिन उन महिलाओं के संघर्ष का प्रतीक है, जिन्होंने काम के घंटों में कमी, बेहतर वेतन और मतदान के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि पुरुषों के समान अधिकारों के लिए आज भी संगठित होने की जरूरत है। इस अवसर पर सभा में स्नेह गोयत, गंगा, मूर्ति, रेणु, शारदा, अंजु, सुनीता, सोनू, राजबाला, बबीता सीटू, सुशीला, कृष्णा सिवाच, रतन कुमार जिंदल, करतार ग्रेवाल, सूरजभान जटासरा, सुखदेव, राजीव सांगवान आदि मौजूद रहे।

- महिलाओं के बिना सशक्त लोकतंत्र की कल्पना करना असंभव : बिमला

महिलाओं ने बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

मालार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ करती वूमैन हेल्पिंग सोसाइटी की सदस्य।

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को वूमैन हेल्पिंग सोसाइटी ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम हालुवास गेट स्थित सोसाइटी के मुख्य कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें महिलाओं ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापिका एवं अध्यक्षा सुशीला देवी सिंह ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष पुष्प अर्पित कर और द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। महिलाओं ने बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था की ओर से लड्डू बांटकर सभी का मुंह मीठा करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान ऑफिस परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। महिलाओं ने न केवल सामाजिक विषयों पर चर्चा की, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं ने पारंपरिक एवं बॉलीवुड गीतों पर शानदार डांस कर अपनी खुशी जाहिर की। इसके अलावा संगीत और सामूहिक चर्चा के माध्यम से महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सोसाइटी की अध्यक्षा सुशीला देवी सिंह ने कहा कि आज का दिन केवल जश्न मनाने का नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और उनके द्वारा समाज में दिए योगदान को याद करने का दिन है। बाबा साहेब अंबेडकर ने हमेशा महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों की वकालत की और हमारी संस्था उसी विजन को आगे बढ़ा रही है। इस मौके पर ममता अरोड़ा, सुमन शर्मा, सीता देवी, पिंकी, उर्मिला, अनिता, पिंकी बागड़ी व प्रीति कांगड़ा आदि मौजूद रही।

धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया

- छपार में विशाल हिंदू सम्मेलन संपन्न : संघ की 100 वर्षीय यात्रा और पंच परिवर्तन पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

गांव छपार में रविवार 'विशाल हिंदू सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूरे मंडल के सभी गांवों से भारी संख्या में श्रद्धालुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पावन हवन से हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सम्मेलन में आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने समाज में एकता और धर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

हवन में आहुति अर्पित करते हुए फोटो : हरिभूमि

संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सामाजिक सद्भाव प्रमुख पवन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह संघ ने राष्ट्र निर्माण और समाज को संगठित करने में एक शताब्दी समर्पित की है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संघ के 'पञ्च परिवर्तन' सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली और नागरिक कर्तव्य के विषयों पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि इन पांच परिवर्तनों को अपनाकर ही समाज और राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाया जा सकता है।

महिलाएं शिक्षा,विज्ञान और राजनीति के क्षेत्र में मनवा रही प्रतिभा का लोहा

चरखी दादरी। बीआर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल बिरही कलां में अंतरराष्ट्री महिला दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने गायन और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के अंत में मनोरंजन के लिए म्यूजिकल चेयर गेम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल प्रवक्ता किरण ने किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने ने महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की आधारशिला होती हैं और परिवार से लेकर देश के विकास तक हर क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति और प्रशासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और शिक्षा प्रदान की जाए। शिक्षिकाओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

श्रीदेवसर धाम के शिविर में 58 युवाओं ने किया रक्तदान

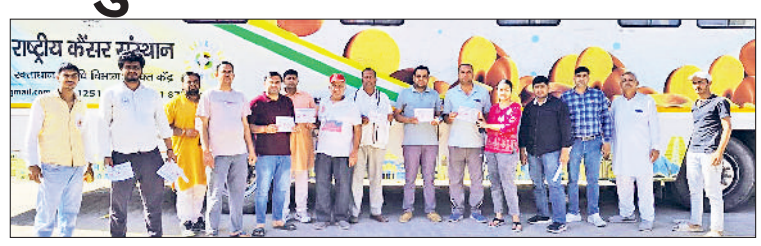

भिवानी। गांव देवसर स्थित श्रीदेवसर धाम में मानवता की सेवा के संकल्प के साथ प्रथम विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर एम्स कैंसर संस्थान बाढ़सा, झज्जर और विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा की देखरेख में रविवार सुबह 10 बजे से शुरू हुए शिविर में युवाओं और स्थानीय ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान 58 ने रक्तदान किया। इस मौके पर बतौर मुख्यतिथि सरपंच रामभगत यादव ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिनेश दीनू पहुंचे। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों, विशेषकर कैंसर पीड़ितों की सहायता करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक फोटो : हरिभूमि

शिविर में 217 मरीजों की आंखें जांची

चरखी दादरी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दुधवा में 1792वां, बलकरा में 1793वां व कपूरी में 1794 वां तीन निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों में आईक्यू, आई केयर तथा गीतांजलि अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में डॉ. ममता, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. संतोष और डॉ. हरप्रकाश ने अपनी टीम के साथ मिलकर कुल 217 मरीजों की आंखों की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाइयां प्रदान कीं। जांच के दौरान 27 मरीजों को आंखों के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जबकि 12 लोगों ने मरणोपरांत नेत्रदान के फार्म भरकर समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रमशः सतीश खत्री, जयसिंह तथा विजय प्रधान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रभु राम, हरेन्द्र तथा रामस्वरूप सरपंच उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस जनसेवा कार्य के लिए मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में जागरूकता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

किसानों ने तोशाम सरपंच राजेश तंवर को दी सूचना

वन विभाग की भूमि पर लगी आग से हरियाली हुई राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

रविवार दोपहर तोशाम में हांसी-हिसार बाईपास मार्ग पर वन विभाग की भूमि पर खड़ी झाड़ियों में अचानक आग लग गई। लेकिन समय रहते आसपास के किसानों तथा ग्राम पंचायत तोशाम की मदद से आग पर काबू पा लिया गया जिससे तैयार खड़ी किसानों की फसल बर्बाद होने से बच गई।

उल्लेखनीय है कि रविवार दोपहर करीबन 12 बजे तोशाम में हांसी-हिसार बाईपास मार्ग पर स्थित वन विभाग की जंगलात भूमि पर खड़ी झाड़ियों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने काफी जगह को अपने आगोश में ले लिया जिससे आसपास के खेतों में खड़ी किसानों की फसल जलने का खतरा पैदा हो गया।

इसी दौरान इस आगजनी की घटना की सूचना किसानों द्वारा तोशाम सरपंच राजेश तंवर को दी गई सरपंच राजेश तंवर ने सूचना मिलते ही तुरंत पंचायत के कर्मचारियों को पानी के टैंकरो सहित मौके पर भेजा तब किसानों ने तोशाम ग्राम पंचायत की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

तोशाम। अज्ञात कारणों से पंचायती भूमि पर राख हुई हरियाली। फोटो : हरिभूमि

सरकंड़ों में अज्ञात कारणों से लगी आग दमकल विभाग की टीम ने पाया काबू

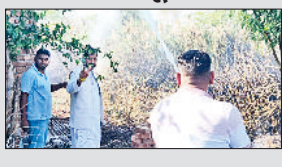

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित वार्ड नंबर 1 जाट धर्मशाला के नजदीक झाड़ियां में रविवार दोपहर बाद अज्ञात कारणों के कारण आग लग गई ,आग इतनी भयंकर थी कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल केंद्र कर्मचारियों को मौके पर बुलाया गया तब जाकर कहीं कड़ी मुश्किल के बाद पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक जाट धर्मशाला के नजदीक कई एकड़ में झाड़ियां उगी हुई है रविवार दोपहर करीब 2 बजे झाड़ियां में अचानक आग लग गई आग इतनी भयंकर थी की देखते-देखते आग की लपटे और आग का धुवां आसमान को छूने लगा। आग को देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग को बेकाबू होते देखा नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री को सूचना दी। सूचना पाते ही नगर पालिका अध्यक्ष तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंचे और दमकल केंद्र के अधिकारी को सूचना दी सूचना पाते ही दमकल केंद्र के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया मौके पर सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेश कुमार भी मौके पर अपनी टीम के साथ पहुंचे।

एचडी स्कूल में स्काउट्स-गाइड शिविर का आयोजन

चरखी दादरी। बिरोहड़ स्थित एचडी स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और अनुशासन की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड के तत्वावधान में एक दिवसीय स्काउट्स-गाइड शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें समाज सेवा, सहयोग और देशभक्ति की भावना को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।